

समक्ष :माननीय राजस्व मंडल म0प्र0 ग्वालियर

निगरानी क्रमांक

/2017

प्रकाश तनय सरमन अहिरवार निवासी ग्राम

जमुनिया खास तहसील ओरछा जिला
टीकमगढ म.प्र. । ..आवेदक

विरुद्ध

मध्य प्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर टीकमगढ जिला टीकमगढ म.प्र.

.....अनावेदक

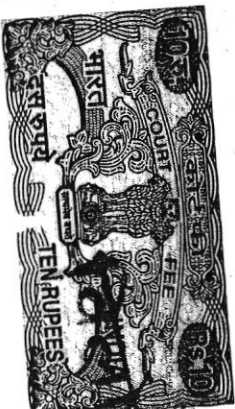
श्री. प्रकाश तनय सरमन
द्वारा आज दि. 25/7/17 को।
प्रस्तुत

न्यायालय कलेक्टर टीकमगढ द्वारा प्रकरण क 209/बी-121/2016-2017 मे
व्यक्ति कोर्ट-7/17
परित आदेश दिनांक 27.6.2017 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू - राज्य संहिता
1959 की धारा 50 के अधीन निगरानी

माननीय महोदय ,

सेवा मे आवेदक की ओर से निवेन निम्न प्रकार है :-

1. यहकि, अधीनस्थ न्यायालय का आदेश अवैध अनुचित एवं विधि के उपबन्धो के प्रतिकूल होने से अपास्त किये जाने योग्य है।
2. यहकि, अधीनस्थ विचारण न्यायालय के समक्ष आवेदक द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया कि ग्राम जमुन्याखास तहसील ओरछा जिला टीकमगढ भूमि ख0न0 143/1/2 रकवा 0.600 आरे भूमि स्थिति जमुन्या भाटा तहसील ओरछा की भूमि विक्रय किये जाने की अनुमति चाही गई है आवेदक द्वारा भूमि विक्रय करने का कारण प्रश्नगत भूमि उबड -खावड पथरीली होने से अन्यत्रं भूमि कय करना बताया गया जिस आवेदन पत्र से प्रकरण क 209/बी-121/2016-17 दर्ज किया जाकर प्रकरण में दिनांक 3.5.17 को प्रकरण को तर्क हेतु नियत किया उसके बाद दिनांक 15.5.17 को प्रकरण में पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त होने से पेशी वडाई जाकर 27.6.17 नियत की जाकर आवेदक की अनुपस्थिति में ही प्रकरण को समाप्त कर निराकरण कर दिया गया जवकि प्रकरण में अधिनस्थ न्यायालय रिकार्ड तलव नही किया जांच नही की गई ओर नाही आवेदक को कोई सूचना दी गई मात्र तकनीकि विन्दु पर प्रकरण को निराकरत करने में वैधानिक भूल की है जो आलोच्य आदेश निरस्त किया जाकर आवेदक को उक्त भूमि विक्रय करने की अनुमति प्रदान किया जाना न्याय संगत है।




9

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश – ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक एक/निगरानी/टीकमगढ/भूरा./2017/2368

जिला – टीकमगढ

| स्थान एवं दिनांक | कार्यवाही तथा आदेश | पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर |
|------------------|--|--|
| 02.01.2018 | <p>आवेदक की ओर से अधिवक्ता श्री सुनील जादौन एवं अनावेदक शासन की ओर से अधिवक्ता श्री अजय चतुर्वेदी उपस्थित। उन्हें ग्राह्यता के बिन्दु पर सुना गया।</p> <p>2/ उभयपक्षों के तर्कों पर विचार किया एवं प्रकरण का अवलोकन किया। आलोच्य आदेश को देखने से स्पष्ट है कि कलेक्टर टीकमगढ द्वारा आवेदक की अनुपस्थिति के कारण अदम पैरवी में निरस्त किया गया। संहिता के प्रावधानों के तहत अदम पैरवी में निरस्त किए गए प्रकरण के संबंध में पुनर्स्थापन आवेदन उसी न्यायालय में प्रस्तुत करने या सक्षम न्यायालय में अपील का प्रावधान है। अदम पैरवी में पारित आदेश के विरुद्ध निगरानी प्रचलन योग्य नहीं है। दर्शित परिस्थिति में यह निगरानी अग्राह्य की जाती है।</p> <p style="text-align: right;"> प्रशासकीय सदस्य</p> | |